अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार, 2024

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार, 2024 **जेनी एर्पेनबेक** द्वारा लिखित और **माइकल हॉफमैन** द्वारा अनुवादित **"कैरोस"** को प्रदान किया गया।

- अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार, जिसे पहले **मैन बुकर अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार** के नाम से जाना जाता था, वर्ष 2005 में प्रारंभ किया गया था, यह अंग्रेज़ी में अनुवादित और **यूनाइटेड किंगडम** या **आयरलैंड** में प्रकाशित एक पुस्तक के लिये प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है।
    - इस **पुरस्कार का उद्देश्य वैश्विक कथा साहित्य को बढ़ावा देना** और अनुवादकों के कार्य की सराहना करना है।
- **पुरस्कार राशि:** इस पुरस्कार में 50,000 पाउंड (64,000 अमेरिकी डॉलर) की धनराशि दी जाती है, जिसे लेखक और अनुवादक के बीच समान रूप से साझा किया जाता है।
    - शॉर्टलिस्ट किये गए लेखकों और अनुवादकों में से प्रत्येक को सांत्वना स्वरुप 2,500 पाउंड दिये जाते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार जीतने वाले भारतीय:

वर्ष	**लेखक**	**कार्य**
1971	वी. एस. नायपॉल	इन अ फ्री स्टेट
1981	सलमान रुश्दी	नाइट्स चिल्ड्रेन
1997	अरुंधती रॉय	द गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स
2006	किरण देसाई	द इनहेरिटेंस लॉस
2008	अरविंद अडिग	द वाइट टाइगर
2022	गीतांजलि श्री	टॉम्ब ऑफ सैंड

और पढ़ें: टॉम्ब ऑफ सैंड ने जीता अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-booker-prize,-2024